

हमें तुम बता दो कहाँ धाम तेरा माता भजन लिरिक्स



हमें तुम बता दो,
कहाँ धाम तेरा,
निशदिन तेरे द्वार आते रहेंगे,
अरमान दिल में यही है हमारे,
सदा दीद तेरा ही पाते रहेंगे।

तर्ज - मेरा प्यार वो है।

बहुत खेल देखे अज़ब ज़िन्दगी के,
जिसे जितना चाहा उसी ने रुलाया,
जिसपे किया था बहुत ही भरोसा,
उसी ने हमारे दिल को दुखाया,
नहीं है भरोसा किसी का जहाँ में,
लगन बस तुम्हीं से लगाते रहेंगे।

दर-दर की ठोकर बहुत खा चुका हूँ,
चरणों में अपने दे दो ठिकाना,
मेहरबानियाँ हो अगर तेरी मुझपे,
तो क्या कर सकेगा सारा ज़माना,
कभी तो मिलेगा दीदार तेरा,
ये विश्वास मन में जगाते रहेंगे।

बड़ा भाग्यशाली वही नर जहाँ में,
चरणों से तेरे लगन जो लगाया,
नहीं कर सका जो भजन ज़िन्दगी में,
अनमोल जीवन बिरथा गँवाया,
“परशुराम” को अपना सेवक बना लो,
सदा गीत तेरा ही गाते रहेंगे।

हमें तुम बता दो,
कहाँ धाम तेरा,
निशदिन तेरे द्वार आते रहेंगे,
अरमान दिल में यही है हमारे,
सदा दीद तेरा ही पाते रहेंगे।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



लेखक एवं प्रेषक – परशुराम उपाध्याय ।
श्रीमानस-मण्डल, वाराणसी ।
मो-9307386438

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>